

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-६६

दिनांक-मंगलवार, २५ सितम्बर, २०१८



टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.२ एवं २५.३ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ६० सुबह में एवं दोपहर में ७७ प्रतिशत, हवा की औसत गति ३.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.० मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.७ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.१ एवं दोपहर में ३१.५ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

● **मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान**

(२६ से ३० सितम्बर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २६ से ३० सितम्बर, २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है। पश्चिमी चम्पारण एवं मधुबनी जिलों के एक-दो स्थानों पर बुंदा-बुंदी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३५ से ३६ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान २५ से २७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन १० से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८० से ६० प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ६५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

● **समसामयिक सुझाव**

- अगात रबी फसल के लिए खेत की तैयारी शुरु कर सकते हैं। फसलों की स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए सड़ी-गली गोबर खाद का प्रबंध करें। १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। यह खाद भूमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाती है।
- परती खेतों एवं खेतों के मेड़ पर उगे जंगलों को नष्ट करने के लिए खरपतवारनाशी दवा ग्लाइफोसेट ४१ % एस०एल० का १०-१५ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर कड़ी धूप के वक्त छिड़काव करें। अच्छे परिणाम के लिए साफ पानी का प्रयोग करें। छिड़काव के बाद छिड़काव वाले यंत्र की सफाई अवश्य कर लें। इस दवा को किसी भी खड़ी फसल में छिड़काव कदापि नहीं करें।
- शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान भाई धान में जीवन-रक्षक सिंचाई करें। धान की फसल जो दुग्धावस्था में आ गयी हो उसमें गंधी बग कीट की निगरानी करें। इस कीट के शिशु एवं पौढ़ दोनों प्रारंभ में धान की कोमल पत्तियों तथा तनों का रस चूसते हैं जिससे पत्तियाँ पीली होकर कमजोर हो जाती है तथा पौधों की बढ़वार बाधित हो जाती है और वे छोटे रह जाते हैं। जब पौधों में बाली निकलती है तो यह बालियों का रस चुसना प्रारंभ कर देती हैं जिससे दाने खोखले एवं हल्के हो जाते हैं तथा छिलका का रंग सफेद हो जाता है। धान की दुग्धावस्था में यह पौधों को अधिक क्षति पहुंचाती है जिससे उपज में काफी कमी होता है। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है। इसकी संख्या जब अधिक हो जाती है तो एक-एक बाल पर कई कीट बैठे मिलते हैं। इसके नियंत्रण के लिए फॉलीडाल १० प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर १०-१५ किलोग्राम की दर से भूरकाव ८ बजे सुबह से पहले अथवा ५ बजे शाम के बाद बालियों पर करें। खेतों के आस-पास के मेड़ों पर दवा का भूरकाव अवश्य करें।
- बैंगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। शुरुवाती रोक-थाम के लिए बैंगन की रोपाई के १०-१५ दिनों बाद १ ग्राम फ्युराडान ३ जी० दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला दें। खड़ी फसल में इस कीट का आक्रमण होने पर कीट से ग्रसित तना एवं फल की तुराई कर मिट्टी में गाड़ दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड ४८ ई०सी०/१ मि०ली० प्रति ४ लीटर पानी या क्वीनालफॉस २५ ई०सी० दवा का १.५ मि०मी० प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते हैं। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.३ मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें। फुलगोभी, मिर्च, बैंगन एवं भिंडी में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई एवं सिंचाई करें।
- मूली एवं गाजर की अगेती बुआई करें। मूली की पूसा चेतकी, पूसा देशी, पूसा हिमानी, जौनपुरी जापानी सफेद, पूसा रश्मि, जापानी सफेद, पंजाब सफेद एवं अर्का निशान्त प्रभेदों की बुआई करें। गाजर की पूसा केसर, पूसा मेघाली, पूसा यमदागिनी, अमेरिकन ब्यूटी, कल्याणपुर येलो एवं नैन्टेस प्रभेदों की बुआई करें। बीजदर ४ से ५ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा २५x१० से०मी० की दुरी पर बुआई करें।
- फूलगोभी की पूसा अगहनी,पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक-१, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेधना, काशी कुवाँरी एवं अर्ली स्नोवॉल आदि किस्मों की रोपाई करें। फूलगोभी की पिछत किस्मों जैसे माधी, स्नोकिंग, पूसा स्नोकिंग-१, पूसा-२, पूसा स्नोवॉल-१६, पूसा स्नोवॉल के-१ की नर्सरी में बुआई के लिए खेत की तैयारी शुरु करें। पत्तागोभी की प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पूसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड किस्मों की बुआई नर्सरी में करें।

आज का अधिकतम तापमान: ३४.० डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से १.४ डिग्री अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: २४.६ डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से ०.३ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी